



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 36]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 2, 1972 (भाद्र 11, 1894)

No. 36]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 2, 1972 (BHADRA 11, 1894)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4

PART III--SECTION 4

विभिन्न निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं
Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices
issued by Statutory Bodies

स्टेट बैंक आफ इण्डिया

बम्बई, दिनांक 9 अगस्त 1972

केन्द्रीय कार्यालय

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1972

बैंक में की गई निम्नलिखित नियुक्ति की इसके द्वारा अधिसूचना दी जाती है :—

श्री एस० के० दत्ता (2), दिनांक 16 जून, 1972 से केन्द्रीय कार्यालय में स्थानापन्न उप-सचिव (पुनर्गठन) नियुक्त किए गए।

दिनांक 26 जुलाई 1972

इसके द्वारा बैंक के स्टाफ में की गई निम्नलिखित नियुक्ति की अधिसूचना दी जाती है :—

श्री एस० महादेवन, केन्द्रीय कार्यालय के स्टाफ में दिनांक 26 जुलाई, 1972 से शाखा-निरीक्षक के पद पर नियुक्त किये गए।

दिनांक 27 जुलाई 1972

इसके द्वारा बैंक के स्टाफ में की गई निम्नलिखित नियुक्ति की अधिसूचना दी जाती है :—

श्री बी० एस० तिनानी, केन्द्रीय कार्यालय के स्टाफ में दिनांक 27 जुलाई, 1972 से उप-शाखा-निरीक्षक के पद पर नियुक्त किये गये।

टी० आर० धरवाचारी,
प्रबन्ध-निदेशक

एस० बी० एस० नं० 8/1972—इसके द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि स्टेट बैंक आफ इण्डिया (सहायक बैंक) ऐक्ट, 1959 (1959 का 38वां) की धारा 25, उप-धारा (1), खण्ड (ग) के अनुसार स्टेट बैंक आफ इण्डिया ने रिजर्व बैंक आफ इण्डिया के साथ विचार-विमर्श करने के पश्चात् राजा भनिन्द्र सिंहजी, जिनके निवेशकता की अवधि आज से समाप्त होती है, उनके स्थान पर राजा राम परताप सिंह, 1, डिल्लन मार्ग, पटियाला, को स्टेट बैंक आफ पटियाला के निवेशक पद पर तीन वर्ष की अवधि के लिए—दिनांक 9 अगस्त, 1972 से 8 अगस्त, 1975 (बोनों दिन सम्मिलित) तक नामित किया है।

आर० के० तलवार,
चेयरमैन

भारतीय चार्टर प्राप्त लेखाकार संस्थान

नई दिल्ली-1, दिनांक 26 जुलाई 1972

सं० 5सी०ए०(1)12/72-73—इस संस्थान की अधिसूचना सं० 4 सी०ए०(1)/17/71-72 दिनांक 18-12-71 के सन्दर्भ में चार्टर प्राप्त लेखाकार विनियम, 1964 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 17 द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में श्री सुरेश चन्द्र सूब, ए० सी० ए०।

सी०-4/24, सफवरजंग इनक्लेम, नई दिल्ली का नाम दिनांक 1-7-72 से पुनः स्थापित कर दिया है। (सं०सं०3974)।

दिनांक 4 अगस्त 1972

सं० 4 सी०ए०(1)6/72-73—चार्टर प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 16 के अनुमरण में एतद्द्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 की धारा 20 उपधारा 1 खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से मृत्यु हो जाने के कारण निम्नलिखित सदस्यों का नाम आगे दी गई तिथि से हटा दिया है :—

क्र० सं०	नाम एवं पता	तिथि
1. 6782	श्री सतीश खन्ना, एफ०सी०ए, बी०-7/3, आसफअली रोड, नई दिल्ली-1	16-6-72

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

नई दिल्ली-1, दिनांक 16 जुलाई 1972

सं० 1 सी०ए०(35)/70—चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स एक्ट, 1949 (1949 का 38वां) की धारा 30 की उपधारा (1) के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए दि० कौंसिल ऑफ दी इन्स्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स रैगुलेशन्स, 1964 में निम्नलिखित संशोधन किए हैं जो पहले प्रकाशित किए जा चुके हैं और जैसा कि उपयुक्त धारा की उप-धारा (3) के अन्तर्गत अपेक्षित है केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित किए जा चुके हैं।

उपयुक्त रैगुलेशन्स की अनुसूची 'सी०' में—

1. पैराग्राफ 13 के उप-पैराग्राफ (1) को निम्न प्रकार बदल लें :—

(1) एक अभ्यार्थी, समिति के निवेशानुसार 2 वर्ष की अवधि का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त कर लेने के बाद, प्रशिक्षण समाप्ति की तिथि से नौ महीने के अन्दर समिति द्वारा अनुमोदित विषय पर थीसिस प्रस्तुत करेगा :—

परन्तु समिति समुचित मामलों में, थीसिस प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ा सकती है, जो 3 माह से अधिक नहीं होगा ;

(2) पैराग्राफ 13 के अन्त में निम्नलिखित उप-पैराग्राफ (6) के रूप में जोड़ लें :—

“(6) यदि अभ्यार्थी, उपयुक्त उप-पैराग्राफ (1) में दिए गए समय के अन्दर अथवा बढ़े हुए समय में, जो कि उप-पैराग्राफ (1) की व्यवस्था के अन्तर्गत समिति द्वारा दिया गया हो, थीसिस प्रस्तुत नहीं कर पाता है तो व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए उसका पंजीकरण रद्द हो जाएगा :—

परन्तु समिति अभ्यार्थी से एक सौ रुपए के शुल्क सहित जो कि आवेदन के स्वीकृत न होने को छोड़ कर लौटाया नहीं जाएगा, आवेदन प्राप्त होने पर समिति अपनी इच्छानुसार पंजीकरण का नवीकरण कर सकती है और इस प्रकार के पंजीकरण पर अभ्यार्थी द्वारा पहले ही प्राप्त की गई प्रशिक्षण अवधि को इस अनुसूची के पैराग्राफ 12(1) में उल्लिखित व्यवहारिक प्रशिक्षण में गिन लिया जाएगा।”

दिनांक 17 अगस्त 1972

सं० 1-सी०ए०(54)/72—चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स एक्ट, 1949 (1949 का 38वां एक्ट) के भाग 30 के उप-भाग (1) और (3) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स रैगुलेशन्स 1964 के प्रस्तावित निश्चित संशोधन करने का निम्नलिखित मसविदा उन सभी व्यक्तियों के सूचनार्थ जिनको इससे प्रभावित होने की सम्भावना है, प्रकाशित किया जाता है और एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि 30 मितम्बर, 1972 को या उसके बाद इस मसविदे पर विचार किया जाएगा।

निश्चित तिथि से पूर्व किसी व्यक्ति से इस मसविदे के सम्बन्ध में प्राप्त किसी आपत्ति या सुझाव पर दि० कौंसिल ऑफ दि इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली द्वारा विचार किया जाएगा।

उपयुक्त रैगुलेशन में :—

I. वर्तमान रैगुलेशन 61 के स्थान पर निम्नलिखित नया रैगुलेशन बदल लें :—

“61 वोट देने के लिए ग्राह्य सदस्य

इन रैगुलेशन्स की अन्य व्यवस्थाओं को छोड़कर, कोई भी सदस्य, जिसका नाम कौंसिल के चुनाव होने वाले वर्ष की 1 अप्रैल को रजिस्टर में लिया हुआ है, उस प्रादेशिक क्षेत्राधिकार जिसमें उपयुक्त तिथि को उसका पता लिखा है, क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव में वोट देने के लिए ग्राह्य होगा।

बशर्ते उसका नाम मतदाताओं की सूची प्रकाशित होने के बाद रजिस्टर से निकाल न दिया गया हो।”

II. वर्तमान रैगुलेशन 62 के स्थान पर निम्नलिखित नया रैगुलेशन बदल लें :—

“62 चुनाव के लिए खड़े होने वाले सदस्यों की योग्यताएं

इन रैगुलेशन्स की अन्य व्यवस्थाओं को छोड़ कर कोई फंलो जो रैगुलेशन 64 के उप-रैगुलेशन (1) के अधीन मतदाताओं की सूची में इस प्रकार प्रकाशित किया जाता है और चुनाव की तिथि को उसका नाम रजिस्टर में निरंतर रहता है, वह क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्र से अर्हा उसका नाम सम्मिलित है, कौंसिल के चुनाव के लिए ग्राह्य होगा।”

III. रैगुलेशन 64 में :—

- (ए) उप-रैगुलेशन (1) के स्पष्टीकरण I में “व्यवस्थाओं के अनुसार” शब्दों के बाव और “रैगुलेशन 90” शब्दों से पहले, “उप-रैगुलेशन (1ए) यहाँ पर और शब्द और अंक जोड़ ले।
- (बी) स्पष्टीकरण I के पश्चात् दी गई व्यवस्थाओं को निकाल दे।
- (सी) उप-रैगुलेशन (1) के स्पष्टीकरण II के बाद और उप-रैगुलेशन (2) के पहले निम्नलिखित नया उप-रैगुलेशन जोड़ ले —

“(ए) उस नगर के सम्बन्ध में जहाँ एक से अधिक पोलिंग बूथ, विभिन्न पत्तों पर स्थित हों, सचिव इन्स्टीट्यूट के जनरल में, मतदाताओं की सूची प्रकाशित होने से कम से कम 60 दिन पूर्व एक नोटिस प्रकाशित करेगा जिसमें विभिन्न बूथों के पते होंगे। ऐसे नगर का कोई भी मतदाता जो किसी विशेष पोलिंग बूथ में मत डालना चाहता है, वह सचिव को मतदाताओं की सूची प्रकाशित होने के 15 दिन तक अपना अनुरोध कर सकता है और सचिव, अपनी इच्छानुसार, ऐसे सदस्य को अपनी पसंद के बूथ में वोट डालने की आज्ञा दे सकता है।”

IV. रैगुलेशन 67 के उप-रैगुलेशन (3) की धारा (iv) को निकाल दे।

V. वर्तमान रैगुलेशन 75 के स्थान पर निम्नलिखित नया रैगुलेशन बदल ले :—

“75 पोलिंग बूथ

- (1) सचिव ऐसे स्थानों पर जो वह उचित समझे उचित संख्या में पोलिंग बूथ बनवाएगा

बशर्ते किसी भी नगर या कस्बे में जहाँ, वोट देने के लिए ग्राह्य सदस्यों की सूची में दिए गए पत्तों के अनुसार 25 से कम मतदाता नहीं हैं, कोई भी पोलिंग बूथ नहीं बनाया जाएगा।

- (2) ऐसे नगर में जहाँ 400 से अधिक मतदाता हैं, प्रत्येक 400 मतदाताओं अथवा उसके भाग के लिए एक पोलिंग बूथ होगी, यद्यपि यह आवश्यक नहीं कि उसी नगर में विभिन्न पोलिंग बूथों में बाँटे गए ग्रुपों में 400 मतदाताओं की संख्या हो।

- (3) यदि किसी पोलिंग बूथ के साथ सम्बद्ध मतदाताओं की संख्या 200 से अधिक होती है तो वह पोलिंग बूथ रैगुलेशन 87 के उप-रैगुलेशन (1) में उल्लिखित समय के दौरान दो लगातार दिवस तक खुला रखा जाएगा।”

VI. वर्तमान रैगुलेशन 79 के उप-रैगुलेशन (3) और (4) का निम्न प्रकार उप-रैगुलेशन में बदल ले :—

“(3) किसी भी प्राधिकृत प्रतिनिधि की नियुक्ति वैध नहीं होगी जब तक कि अभ्यर्थी द्वारा ऐसे प्रतिनिधि को प्राधिकार-पत्र जारी किया गया हो। प्राधिकार-पत्र में प्राधिकृत प्रतिनिधि का पूरा नाम, सदस्य संख्या और पता होगा। साथ ही उस पोलिंग बूथ का नम्बर भी जिसमें उपस्थित रहने के लिए उसे प्राधिकृत किया गया है।

- (4) प्रत्येक पोलिंग अधिकारी को सम्बन्धित निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले सभी अभ्यर्थियों के नमूना हस्ताक्षर उप पैराग्राफ (3) में उल्लिखित प्राधिकार-पत्र के हस्ताक्षरों की जाँच करने हेतु दिए जाएंगे।

- (5) पोलिंग अधिकारी अभ्यर्थियों और/अथवा उनके प्राधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति का रिकार्ड रखेगा और पोलिंग की समाप्ति पर उसे सचिव को भेज देगा।”

VII. रैगुलेशन 87 के उप-रैगुलेशन (6) की द्वितीय व्यवस्था को निकाल दे।

VIII. वर्तमान रैगुलेशन 90 के उप-रैगुलेशन (7) के स्थान पर निम्न नया उप-रैगुलेशन बदल ले :—

“(7) कोई भी सदस्य जो भारत के बाहर रह रहा है, इस अध्याय में दिए गये किसी भी व्यवस्था के होते हुए भी, अपना वोट डाल से भेजने के लिए ग्राह्य होगा, बशर्ते उसके विदेश का पता इन्स्टीट्यूट के कार्यालय में चुनाव की तिथि से कम से कम 60 दिन पूर्व रजिस्टर किया हुआ है। ऐसे सदस्य को उपर्युक्त उप-रैगुलेशन (4) के अनुसार आवेदन पत्र भेजना आवश्यक नहीं और न ही उपर्युक्त उप-रैगुलेशन (6) के अनुसार अपना वोट साक्ष्यित कराना आवश्यक है।”

IX. रैगुलेशन 112 के उप-रैगुलेशन (1) की धारा (1) को निम्न प्रकार बदल ले :—

“(1) इन रैगुलेशन की अन्य व्यवस्थाओं को छोड़कर, कोई भी सदस्य, जिसका नाम क्षेत्रीय कौंसिल के चुनाव होने वाले वर्ष की 1 अप्रैल को रजिस्टर में लिखा हुआ है, उस प्रादेशिक क्षेत्राधिकार हेतु जिसमें उपर्युक्त तिथि को उसका पता लिखा है, क्षेत्रीय कौंसिल को चुनने हेतु वोट देने के लिए ग्राह्य होगा।

बशर्ते उसका नाम मतदाताओं की सूची प्रकाशित होने के बाद न निकाल दिया गया हो।”

सी० बालकृष्णन्, सचिव

कर्मचारी राज्य बीमा निगम**आञ्चलिक कार्यालय—असम अंचल**

गुवाहाटी, दिनांक 14 अगस्त 1972

सं० ई-17/6—इसके द्वारा सूचित किया जा रहा है कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) अधिनियम 1950 की धारा 10-ए० के अन्तर्गत असम अंचल के गुवाहाटी के लिए इस कार्यालय की सूचना ई०-17/9 दिनांक 18 अप्रैल, 1970 के अनुसार गठित स्थानीय कमेटी का निम्न प्रकार से पुनर्गठन किया गया है :—

अध्यक्ष

धारा 10-ए० (ए०) के अनुसार सिविल सर्जन,
गुवाहाटी।

सदस्य

धारा 10-ए० (बी०) के अनुसार श्रम अधिकारी,
गुवाहाटी।

धारा 10-ए० (सी०) के अनुसार प्रशासकीय मैडिकल अफसर,
ई० एस० आई० स्कीम,
गुवाहाटी।

धारा 10-ए० (डी०) के अनुसार 1. श्री एम० एल० जैन,
मंचालक
आसाम पलावर मिल्स,
गुवाहाटी।
2. श्री एम० भोवान्,
बी० एल० व्यवस्थापक,
राधाकृष्ण आयल एण्ड
राइस मिल्स,
गुवाहाटी।

धारा 10-ए० (ई०) के अनुसार 1. श्री शैलेन गोस्वामी,
राज्य परिवहन कर्मचारी संघ,
गुवाहाटी।
2. श्री जितेन दुबरा,
प्रधान सचिव
इंजीनियरिंग जनरल वर्कर्स
यूनियन कार्यालय,
गुवाहाटी।

सचिव

धारा 10-ए० (एफ०) के अनुसार व्यवस्थापक,
स्थानीय कार्यालय,
ई० एस० आई० निगम,
गुवाहाटी।

आदेशानुसार

सं० ई०-17/8—इसके द्वारा सूचित किया जा रहा है कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) अधिनियम, 1950 की धारा 10-ए० के अन्तर्गत असम अंचल के तिनसुकीया के लिए इस

कार्यालय की सूचना सं० ई०-17/8, दिनांक 18 अप्रैल, 1970 के अनुसार गठित स्थानीय कमेटी का निम्न प्रकार से पुनर्गठन किया गया है :—

अध्यक्ष

धारा 10-ए० (ए०) के अनुसार सिविल सर्जन,
डिब्रुगढ़।

सदस्य

धारा 10-ए० (बी०) के अनुसार श्रम अधिकारी,
डिब्रुगढ़।

धारा 10-ए० (सी०) के अनुसार प्रशासकीय मैडिकल अफसर
ई० एस० आई० स्कीम,
गुवाहाटी।

(धारा 10-ए० (डी०) के अनुसार 1. श्री एस० डी० भट्टाचार्य,
व्यवस्थापक
मैसर्स, असम भेली ग्लाड-
उड प्रायवेट लि०,
तिनसुकीया।
2. श्री डी० डी० अग्रवाल,
मैनेजिंग डायरेक्टर,
अलुमिनियम इन्डस्ट्रीज
(असम) प्राइवेट लि०,
तिनसुकीया।

धारा 10-ए० (ई०) के अनुसार 1. श्री डी० शङ्कराया,
प्रधान सचिव
इन्डस्ट्रियल वर्कर्स यूनियन,
तिनसुकीया।
2. श्री टी० सी० कर,
आर्गेनाइजिंग सैक्रेटरी,
इन्डस्ट्रियल वर्कर्स यूनियन,
तिनसुकीया।

सचिव

धारा 10-ए० (एफ०) के अनुसार व्यवस्थापक
स्थानीय कार्यालय,
ई० एस० आई० निगम,
तिनसुकीया।

आदेशानुसार

सं० ई०-17/14—इसके द्वारा सूचित किया जा रहा है कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम (साधारण) अधिनियम, 1950 की धारा 10-ए के अन्तर्गत असम अंचल के जोरहाट के लिए इस कार्यालय की सूचना सं० ई०-17/14 ता० 18 अप्रैल, 1970 के अनुसार गठित कमेटी का निम्न प्रकार से पुनर्गठन किया गया है :—

अध्यक्ष

धारा 10-ए० (ए०) के अनुसार सिविल सर्जन,
जिला-शिवसागर, जोरहाट।

सर्वस्य		धारा 10-ए-(ई०) के अनुसार	1. श्री जी० हाजरिका, अध्यक्ष, आस असम बेनियर प्लाइवुड एण्ड मो-मिल्स मजदूर यूनियन, ए०-टी० रोड, तरा- जान, जोरहाट। 2. श्री पी० गोस्वामी, आई० एन० टी० यू० सी० कार्यालय, जोरहाट।
धारा 10-ए०-(बी०) के अनुसार	श्रम अधिकारी, जोरहाट।		
धारा 10-ए०-(सी०) के अनुसार	प्रशासकीय मैडिकल अफ- सर, ई०एस०आई० स्कीम, गुवाहाटी।		
धारा 10-ए०-(डी०) के अनुसार	1. श्री एम० एल० पिचा, मैनेजिंग पार्टनर, अशोक इंजीनियरिंग वर्क्स, मरियनी रोड, जोरहाट। 2. श्री सी० सिन्हा, व्यवस्थापक, उड कापट्स (असम), मरियनी।	सचिव धारा 10-ए०-(एफ०) के अनुसार	व्यवस्थापक, स्थानीय कार्यालय ई०एस०आई० निगम, जोरहाट।
			आदेशानुसार— बी० के० सक्सेना, आंचलिक निदेशक

STATE BANK OF INDIA

Central Office

NOTICE

Bombay, the 13th July 1972

The following appointment on the bank's staff is hereby notified :—

Shri S. K. Datta (2) to officiate as Deputy Secretary (Reorganisation), Central Office, as from the 16th June 1972.

Certified Copy

Sd/- ILLEGIBLE

Dy. Chief Officer

(Administration).

The 26th July 1972

The following appointment on the bank's staff is hereby notified :—

Shri S. Mahadevan has been appointed as Branch Inspector on the Central Office Staff as from the 26th July 1972.

The 27th July 1972

The following appointment on the bank's staff is hereby notified :—

Shri B. S. Tinani has been appointed as Deputy Branch Inspector on the Central Office Staff as from the 27th July 1972.

T. R. VARADACHARY,
Managing Director

Bombay, the 9th August 1972

SBS No. 8/1972.—It is hereby notified for general information that in pursuance of clause (c) of sub-section (1) of Section 25 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959 (38 of 1959), the State Bank of India, in consultation with the Reserve Bank of India, hereby nominates Raja Ram Partap Singh, 1, Dhillon Marg, Patiala, as a Director of the State Bank of Patiala for a term of three years from the 9th August 1972 to the 8th August 1975 (inclusive) in place of

Raja Bhalindra Singhji, who will cease to be a Director from today.

R. K. TALWAR,
Chairman

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

New Delhi-1, the 26th July 1972

No. 5-CA(1)/12/72-73.—With reference to this Institute's Notification No. 4-CA(1)/17/71-72 dated 18-12-1971, it is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India, has restored to the Register of Members with effect from 1st July, 1972 the name of Shri Suresh Chander Sood, A.C.A., C-4/24, Safdar Ganj Enclave, New Delhi (M-3974).

The 4th August 1972

No. 4-CA(1)/6/72-73.—In pursuance of Regulation 16 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by clause (a) of Sub-Section (1) of Section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India, has removed from the Register of Members of this Institute on account of death, with effect from 16th June, 1972, the name of Shri Satish Khanna, F.C.A., of B-7/3, Asaf Ali Road, New Delhi-1 (M. No. 6782).

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

The 16th August 1972

No. 1-CA(35)/70.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 30 of the Chartered Accountants Act, 1949, (XXXVIII of 1949), the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has made the following amendments to the Chartered Accountants Regulations, 1964, the same having been previously published and approved by the Central Government as required under sub-section (3) of the said Section.

In Schedule 'C' to the said Regulations—

I. For the existing sub-paragraph (1) of paragraph 13, substitute the following :—

“(1) A candidate, after undergoing the practical training for a period of 2 years as may be directed by the Committee, shall submit a thesis on a subject to be approved by the Committee, within a period of nine months, from the date of completion of the training :

Provided that the Committee in appropriate cases, may extend the time for submission of the thesis for a period not exceeding three months”.

II. At the end of Paragraph 13, add the following as sub-paragraph (6) :—

“(6) If a candidate fails to submit the thesis within the period as prescribed in sub-paragraph (1) above or such extended period as the Committee may grant under the proviso to the said sub-paragraph (1), his registration for practical training shall stand cancelled :

Provided that the Committee may renew the registration at its discretion, on receipt of an application from the candidate together with a fee of one hundred rupees, which shall not be refunded except where the application is not entertained and on such renewal the period of training already undergone by the candidate shall be counted towards practical training as referred to in paragraph 12(1) of this Schedule.”

The 17th August 1972

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 1-CA(54)/72.—The following draft of certain amendments to the Chartered Accountants Regulations, 1964, which it is proposed to make in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (3) of Section 30 of the Chartered Accountants Act, 1949 (Act XXXVIII of 1949), is published for information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the draft will be taken up for consideration on or after the 30th September, 1972.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft before the date specified will be considered by the Council of the Institute of Chartered Accountants of India, New Delhi.

In the said Regulations—

I. Substitute the following new Regulation in place of the existing Regulation 61 :—

“61. *Members eligible to vote*

Subject to other provisions of these Regulations, a member whose name is borne on the Register on the 1st day of April of the year in which the election to the Council is to take place shall be eligible to vote in the election from the regional constituency within whose territorial jurisdiction his address falls on the said date :

Provided that his name has not been removed from the Register after publication of the list of voters.”

II. Substitute the following new Regulation in place of the existing Regulation 62 :—

“62. *Qualifications of members to stand for election*

Subject to other provisions of these Regulations, a fellow who is mentioned as such in the list of voters published under sub-regulation (1) of Regulation 64 and whose name continues to be on the Register on the date of election, shall be eligible to stand for election to the Council from the regional constituency in which his name is included.”

III. In Regulation 64—

(a) in Explanation 1 to sub-regulation (1), after the words “subject to the provisions of” and before the words “Regulation 90”, insert the words and figure “sub-regulation (1A) hereof and”.

(b) Delete the proviso appearing after Explanation I.

(c) After Explanation II to sub-regulation (1) and before sub-regulation (2), insert the following new sub-regulation :

“(1A) In respect of a city having more than one polling booth, located at different addresses, the Secretary shall publish in the Journal of the Institute, at least 60 days before the publication of the list of voters, a notice containing the addresses of different polling booths. Any voter in such a city wishing to vote at a particular polling booth may send a request to the Secretary till the 15th day from the date of publication of the list of voters and the Secretary may, at his discretion, permit such a member to vote at the polling booth of his choice.”

IV. Delete clause (iv) of sub-regulation (3) of Regulation 67.

V. Substitute the following new Regulation in place of the existing Regulation 75 :—

“75. *Polling booths*

(1) The Secretary shall set up such number of polling booths at such places as he deems necessary :

Provided that no polling booth shall be set up in any town or city having less than 25 voters, according to their addresses, as given in the list of members eligible to vote.

(2) In a city having more than 400 voters, there shall be one polling booth for every 400 voters or part thereof, though the allocation of voters among different polling booths in same city need not necessarily be in groups of 400.

(3) Where the number of voters attached to a polling booth exceeds 200, the polling booth shall be kept open for two consecutive days during the same timings, as mentioned in sub-regulation (1) of Regulation 87.”

VI. For the existing sub-regulations (3) and (4) of Regulation 79, substitute the following sub-regulations :—

“(3) No appointment of an authorised representative shall be valid unless the candidate has issued a letter of authority to such a representative. The letter of authority shall include the full name, the membership number and the address of the authorised representative, as well as the number of the polling booth at which he is authorised to be present.

(4) Every polling officer shall be supplied with the specimen signatures of all the candidates contesting election from the relevant constituency for the purpose of verification of the signature of the candidates on the letters of authority referred to in sub-regulation (3) above.

(5) The polling officer shall keep a record of attendance of the candidates and/or their authorised representatives, which shall be forwarded to the Secretary after the polling is over.”

VII. Delete the second proviso to sub-regulation (6) of Regulation 87.

VIII. Substitute the following new sub-regulation in place of sub-regulation (7) of the existing Regulation 90 :—

“(7) A member who is residing outside India shall, notwithstanding anything contained in this Chapter, be eligible to vote by post provided that his overseas address is registered with the office of the Institute at least 60 days before the date of election. Such a member need not send an application under sub-regulation (4) above nor need his vote be attested in the manner provided in sub-regulation (6) above.”

IX. For clause (i) of sub-regulation (1) of Regulation 112, substitute the following :—

“(1)(i) Subject to other provisions of these Regulations, a member whose name is borne on the Register on the 1st day of April of the year in which the election to the Regional Council is to take place, shall be eligible to vote for electing the Regional Council for the regional constituency within whose territorial jurisdiction his address falls on the said date :

Provided that his name has not been removed from the Register after publication of the list of voters.”

C. BALAKRISHNAN
Secretary.

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 8th August 1972

No. 6(15)/69-Estt.III.—Whereas the Department of Labour and Employment, Government of India, New Delhi, in pursuance of the provisions of clause (d) of Section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1949), vide their Notification No. U.16012/14/71-HI, dated 7-3-72 have notified Shri K. V. Ramakrishna Ayyar as a member of the Employees' State Insurance Corporation in place of Shri C. K. Kochukoshy with effect from 7-3-72.

Therefore, in pursuance of Section 25 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) read with Regulation 10 of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, Shri C. K. Kochukoshy ceases to be a member of the Regional Board, Kerala Region.

The following amendment is hereby made in the Employees' State Insurance Corporation Notification No. 6(15)/69-Estt.III dated 2-6-71 pertaining to the constitution of Regional Board, Kerala Region, namely :—

In the said Notification for the entry against item No. 11, the following entry shall be deemed to have been substituted with effect from 7-3-72, namely :—

“Shri K. V. Ramakrishna Ayyar, Member of the E.S.I. Corporation nominated by the State Government—residing in the area—*Ex-officio*,
Secretary to the Government of Kerala, Labour Department, Trivandrum”.

The 10th August 1972

No. 2-9(1)/68-Estt.III.—Whereas the Department of Labour and Employment, Government of India, New Delhi, in pursuance of the provisions of clause (i) of Section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), vide their Notification No. 201/1/70-HI dated 26-6-72 have notified Shri D. Y. Pawar as a member of the Employees' State Insurance Corporation in place of Shri Nand Kishore Bhatt.

Therefore, in pursuance of Section 25 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) read with regulation 10 of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the following amendment is hereby made in the Employees' State Insurance Corporation Notification No. 2-9(1)/68-Estt.III dated 28-3-72 pertaining to the constitution of Regional Board, Maharashtra Region, namely :—

In the said Notification after item No. 18, the following entry may be added :—

“19. Shri D. Y. Pawar New Delhi. 18, Western Court, Permanent Address House No. 1349, Old Agra Rd., Surgana House, Nasik.”	Member of the E.S.I. Corporation residing in the State— <i>Ex-officio</i> .
---	---

T. C. PURI
Director General.

Gauhati-3, the 14th August 1972

No. E-17/6.—It is hereby notified that the Local Committee set up vide this office Notification No. E-17/9, dated 18th April, '70 for Gauhati in Assam Region under Regulation 10-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 has been reconstituted as follows :—

Chairman :

Under Regulation 10-A(a)
The Civil Surgeon,
Gauhati.

Members :

Under Regulation 10-A(b)
The Labour Officer,
Gauhati.

Under Regulation 10-A(c)

The Administrative Medical Officer,
E.S.I. Scheme,
Gauhati.

Under Regulation 10-A(d)

(1) Shri M. L. Jain,
Director,
Assam Flour Mills,
Gauhati.

(2) Shri M. Bhowal B.L.,
Manager,
Radhakrishna Oil & Rice Mills,
Gauhati.

Under Regulation 10-A(e)

(1) Shri Sailen Goswami,
State Transport Workers' Association,
Gauhati.

(2) Shri Jiten Dowarah,
General Secretary,
Engineering and General Workers Union,
I.N.T.U.C. Office,
Gauhati.

Secretary :

Under Regulation 10-A(f)
The Manager,
Local Office,
E.S.I. Corporation,
Gauhati.

By Order,

No. E-17/8.—It is hereby notified that the Local Committee set up *vide* this office Notification No. E-17/8, dated 18-4-70 for Tinsukia in Assam Region under Regulation 10-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, has been reconstituted as follows :—

Chairman :

Under Regulation 10-A(a)
The Civil Surgeon,
Dibrugarh.

Members :

Under Regulation 10-A(b)
The Labour Officer,
Dibrugarh.

Under Regulation 10-A(c)

The Administrative Medical Officer,
E.S.I. Scheme,
Gauhati.

Under Regulation 10-A(d)

(1) Shri S. D. Bhattacharjee,
Manager,
M/s Assam Valley Plywood (P) Ltd.,
Tinsukia.

(2) Shri B. D. Agarwal,
Managing Director,
Aluminium Industries (Assam) Pvt. Ltd.,
Tinsukia.

Under Regulation 10-A(e)

(1) Shri D. Saikia,
General Secretary,
Industrial Workers' Union,
Tinsukia.

(2) Shri T. C. Kar,
Organising Secretary,
Industrial Workers' Union,
Tinsukia.

Secretary :

Under Regulation 10-A(f)
The Manager,
Local Office,
E.S.I. Corporation,
Tinsukia.

By Order.

No. E-17/14.—It is hereby notified that the Local Committee set up *vide* this office Notification No. E-17/14, dated 18-4-70 for Jorhat in Assam Region under Regulation 10-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, has been reconstituted as follows :—

Chairman :

Under Regulation 10-A(a)
The Civil Surgeon,
Jorhat.

Members :

Under Regulation 10-A(b)

The Labour Officer,
Jorhat.

Under Regulation 10-A(c)

Administrative Medical Officer,
E.S.I. Scheme,
Gauhati.

Under Regulation 10-A(d)

(1) Shri S. L. Pincha,
Managing Partner,
Ashok Engineering Works,
Mariani Road,
Jorhat.

(2) Shri C. Sinha,
Manager,
Woodscrafts (Assam),
Mariani.

Under Regulation 10-A(c)

(1) Shri G. Hazarika,

President,
All Assam Veener, Plywood and Saw Mills
Majdoor Union,
A. T. Road, Terajan,
Jorhat.

(2) Shri P. Goswami,
INTUC Office,
Jorhat.

Secretary :

Under Regulation 10-A(f)
The Manager,
Local Office,
E.S.I. Corporation,
Jorhat.

By Order,

V. K. SAKSENA
Regional Director,
E.S.I. Corporation, Gauhati.

PANJAB UNIVERSITY (CHANDIGARH)

The Central Government (Ministry of Education & Social Welfare) have accorded approval, vide their letter Nos. F. 3-13/72-U.I. dated 3-7-1972 and D.5332/72-U.I. dated 1-8-1972, to the revision of Regulations contained in the Panjab University Calendar, Volume II, which will now read as given below :—

CHAPTER II(ii)—Punishment for False Statement in or in respect of Admission Forms or Certificates of University Examinations.

CHAPTER III—General Regulations for Examination.

CHAPTER IV(i)—Award of Scholarships.

(ii)—Award of Two Scholarships out of the Punjab University Soldiers' Relief Fund.

CHAPTER VI—Academical Costumes.

CHAPTER II(ii)

Punishment for False Statements in Or In Respect Of Admission Forms Or Certificates Of University Examinations.

1. A candidate seeking admission to an examination on a false representation made in his application form shall be punished as under :—

(a) false representation relating to a previous examination not actually passed by the candidate; Disqualification for three to five years from appearing in any examination as may be decided by the Syndicate—

(b) false representation pertaining to his eligibility to appear in the examination as a private candidate or any other matter not covered by (a). Disqualification for two or three years from appearing in any examination as may be decided by the Syndicate.

2. If it is found that a *wrong date of birth* has been deliberately entered in the admission application form or in the affidavit accompanying the form, the Syndicate shall have power to *refuse him permission* to appear in the examination, or, if the fact is detected after the candidate has appeared in the examination, to cancel his result.

3. A candidate forging another person's signatures on his admission form or of using a forged document knowing it to be forged one with a view to seeking admission shall be disqualified :—

(i) in the case of Pre-University or High Proficiency in M.I.L. or O.T. examination, from appearing passing any examination in that year and in the next year;

(ii) in the case of any other examination, for three years including the year in which he is found guilty.

4. A person found guilty of—

(i) tampering with his own certificate; or

(ii) obtaining or attempting to obtain a certificate to which he is not entitled;

may be disqualified by the Vice-Chancellor for such period as he may deem fit. The order passed by the Vice-Chancellor shall be reported to the Syndicate.

CHAPTER III

General Regulations for Examinations

(i) *Admission to examinations*

1. Application for admission to an examination shall be made on the prescribed form accompanied by the requisite fee to reach the University by the date fixed by the Syndicate.

2.1. Applications for admission to examinations shall be accompanied by the following certificates signed by the authority specified in the admission form :—

(a) of good character;

(b) that the candidate is eligible to appear in the examination under the Regulation prescribed for the examination concerned;

2.2. In the case of a late college student, the application for admission shall be accompanied by a certificate signed by the Principal of the College/Department last attended, that the candidate completed the prescribed, course of lectures, etc., within the period specified by the regulations for the examination.

2.3. In the case of private candidate (men) the application for admission shall be accompanied by three copies of the candidate's photograph indicating his name and that of his father and certified as true by the authority countersigning the admission form.

Candidates in field service may submit their identity disc in lieu of photo.

3.1. In examinations in which a candidate has to appear in various parts within a specified period of passing the lower part, if a candidate is unable to do so within that period, he may be allowed to re-appear in the entire examination, provided he surrenders the certificates for the Parts which he has already passed.

3.2. In examinations in which a candidate has to appear in various Parts within a specified period of passing the lower Part, the period between the examination that he passed before joining the Army and the next examination shall not exceed five years, but the period between the first examination he passes after joining the Army and the next shall not exceed three years.

4. The Syndicate shall have power to exclude any candidate from examination permanently or for a specified period for reasons to be recorded, if it is satisfied that such candidate is not a fit and proper person to be admitted to the examination.

5.1. If a candidate, after admission to an examination—

(a) commits an immoral act; or

(b) is discovered to have committed an immoral act which in the opinion of the Syndicate is such that had it come to their knowledge in time, they would have excluded him from the examination;

the Syndicate may—

(i) cancel his candidature for that examination and order that his result be not declared; and/or

(ii) disqualify him permanently or for a specified period,

5.2. If a candidate, subsequent to the issue of Roll Number or subsequent to appearance in an examination, is found to be ineligible to take the examination, his candidature shall be cancelled by the Registrar.

5.3. If a candidate, before issue of Roll Number or before appearance in an examination, is found to be ineligible to take the examination, his candidature shall be cancelled by the Assistant Registrar (Examinations).

6.1. Where the chances of a candidate to clear an examination are limited, and he is disqualified from appearing in it for a fixed period, he may be allowed by the Vice-Chancellor one more chance to appear in the examination after the period of disqualification, in lieu of the chance or chances missed by him during the period of disqualification.

Provided that the candidate had no normal chance available to him, after the period of disqualification, out of the limited chances, and that the extra chance shall only be immediately next to the last admissible chance.

6.2. Where the chances of a candidate to clear an examination are limited, the Syndicate shall have authority to grant an extra chance, for valid reasons, in lieu of one or more chances missed by a candidate. Provided that the extra chance shall be immediately next to the last admissible chance.

6.3. Where a candidate for an examination in which the number of chances available are limited, has missed one or more chances on account of illness, additional chance or chances in lieu thereof will be available only if the candidate, having submitted his admission form and fee, informs the Registrar of the University within thirty days of the commencement of the University examination of his inability to appear in the examination and also furnish a medical certificate.

The additional chance or chances shall be availed of immediately next to the last admissible chance.

6.4. A candidate against whom a complaint/case regarding use of unfair means, etc., is registered and who in this process is prevented from appearing in an examination, may be given, by the Vice-Chancellor, one or more chances immediately next to the last admissible chance in lieu of the chance or chances missed by him.

7. For examinations where the number of chances to clear the first examination are limited and if there are Semesters in such examination, the first examination shall mean the first Semester.

8. A candidate who has been placed in compartment shall have the option to appear in all the subjects. Having exercised the option, the candidate shall not be allowed to change it.

9. Unless otherwise provided, a person who has already passed an examination of this or any other University, shall not be permitted to reappear in that examination or a corresponding examination.

10. For purposes of admission to an examination, if the minimum marks required involve a fraction, the fraction shall be ignored to the advantage of the candidate.

Illustration.—1. 45 per cent of 175 marks works to 78.75; the fraction .75 in this case will be ignored and a person obtaining 78 marks shall be eligible.

2. 45 per cent of 650 being 292.5, a student obtaining 292 marks shall be eligible, but a student obtaining 291.9 or less shall not be eligible because his percentage works to less than 45%.

3. 45% of 600 being 270, a student with 270 and above will be eligible but not the one whose percentage works out to 44.9.

11. Notwithstanding anything contained in any other Regulation, the Syndicate shall, for reasons to be recorded, have power to admit a person provisionally to the next higher class pending his qualifying in the paper or papers, which he may have missed through no fault of his. The Syndicate shall record reasons for granting such permission in each case.

12. A candidate whose result of the examination taken by him is notified as 'Later' may be allowed to join the next higher class provisionally. In case he is ultimately declared as having failed, his provisional admission shall stand cancelled and he shall forthwith revert to the lower class. Fees paid by him for the higher class shall be adjusted against the lower class dues. No refund shall be admissible to the student who discontinues his studies.

13.1. Notwithstanding anything contained in any other regulation, the Syndicate shall have power to—

- (A) admit a person residing in a foreign country to appear in the following examinations, without attending the prescribed course in a recognised school or an affiliated college provided he possesses the requisite minimum qualification for admission to such examinations :

1. Pre-University.
2. B.A. and B.Sc. (Pass).
3. B.Com.

13.2. Notwithstanding any other Regulation, the Syndicate in the case of—

- (a) a foreign scholar, who is not of Indian domicile; or
- (b) a person who is not an Indian national; or
- (c) a person of Indian origin studying in a foreign country,

shall have power to—

- (i) admit him to any class of a college affiliated to this University for which he is considered fit by the Syndicate;
- (ii) permit him to take a University examination after studying in an affiliated college for a shorter period than prescribed by the Regulations for the examination concerned;
- (iii) grant permission to offer a special paper in English in lieu of the additional optional paper in Pre-Medical, Pre-Engineering, and B.A./B.Sc. examinations;
- (iv) grant him permission to offer a special paper in English in lieu of Hindi or Punjabi or Urdu for the First examination in B.Sc. Agriculture.

13.3. The Syndicate may prescribe a special course and/or test in English for foreign students coming from countries where the standard of English renders it necessary to enable them to prosecute their studies properly. Exemption may be granted to students who have already qualified in Cambridge University School Certificate examination and General Certificate of Education examination or any other examination of equivalent standard.

14. Notwithstanding anything contained in any other regulation, the Syndicate, in order to avoid hardship to a candidate, shall have power to relax the requirements of regulations for any examination regarding change of subjects or other similar requirement where the mistake is primarily of the Head of the institution or on the part of the University office. Provided that these powers shall not include relaxation of the minimum qualifications laid down for admission to the examination.

15. A candidate appearing privately for any examination may apply for permission to make a change in the admission form in respect of (a) subject or subjects, or (b) any other entry, provided that—

- (a) the request is permissible under the regulations;
- (b) the application accompanied by a fee of Rs. 5 is received in the University office not later than *one month before the commencement of the annual examination and 15 days before the commencement of supplementary examination.*

16. A prisoner serving a term of imprisonment may be allowed to appear in an examination if—

- (i) the certificate of good conduct is given by the Superintendent of the Jail concerned; and
- (ii) he is eligible under the regulations for the examination concerned and also under the regulations for private candidates.

Provided that if such examination is arranged in the Jail, the expenditure involved shall be paid to the University by the Jail authorities.

17. The Registrar/Vice-Chancellor, as the case may be, shall have power to grant extension of *date of submission* or condone delay, in receipt of a thesis/dissertation for an examination, other than Ph. D., as under :—

- (i) up to one month—By the Registrar.
- (ii) beyond one month—By the Vice-Chancellor.

(ii) *Examination Fees*

18. The Registrar, may, when he considers it appropriate :

- (a) sanction the remission of late fee of Rs. 5, or
- (b) accept the examination admission form and fee after the expiry of the last date with late fee.

19. *For purpose of calculating late fee, the date of remittance of money by the candidate from the Post-office Bank shall be taken as the date of receipt thereof by the University.*

20. The extra late fee chargeable after last date with late fee (of Rs. 5) shall not be remitted. But in a disputed case, the Vice-Chancellor shall have authority to decide (a) whether any late fee is due, and (b) the amount of late fee to be charged.

21. Except in the case of members of regular armed forces who belong to the Punjab, Haryana, *Himachal Pradesh* or Union Territory of Chandigarh, an extra fee of Rs. 10 shall be charged from private candidates who apply from outside Punjab, Haryana, *Himachal Pradesh* and Union Territory of Chandigarh for an examination or who appear in an examination held at Delhi or at any other town where the University holds that examination, outside Punjab, Haryana, *Himachal Pradesh* and Union Territory of Chandigarh.

22.1. A candidate who—

- (i) fails to present himself for examination; or
- (ii) has appeared in an examination provisionally and is subsequently declared ineligible by the Registrar or an officer authorised by him, according to the rules and regulations;

shall not be entitled to refund of the fee or to have it kept in deposit for a subsequent examination, provided that—

- (i) if a candidate dies before the commencement of examination or during the course of exami-

nation without having appeared in any paper, the fee shall be refundable to his legal heirs;

- (ii) if a candidate becomes ineligible to appear in an examination after sending up his admission form and fee, he shall forfeit to the University 25 per cent of his fee, and for this purpose the fraction of a rupee shall be rounded off to a whole rupee, ignoring less than 50 paise.
- (iii) if a woman candidate is unable to appear in the examination for maternity reasons her fee may be held over for the next examination, provided that the application is *made within three months of the termination of the examination* and is supported by a medical certificate.
- (iv) If a private candidate, serving as a member of the regular land, air or naval forces, is unable to appear in an examination owing to military exigencies, he shall be entitled to the refund of fee, on production of a certificate to this effect from the Officer Commanding of his unit at any time before the commencement of the examination.
- (v) An application for refund of the fee must reach the Registrar within three months of the date of commencement of the examination.

22.2. A candidate shall not be entitled to refund of examination fee paid by him—

- (i) if permission accorded to him to take an examination is subsequently cancelled, as a result of mis-statement of facts or suppression of important fact or want of relevant information in his examination admission form;
- (ii) if he tried to obtain admission to an examination by making a false statement of facts in his admission form.
- (iii) Moderation of question papers *and results of examinations.*

23. In case of such examinations as the Syndicate may, from time to time determine, it shall appoint a Board to moderate the question papers, subject to such directions as may be given by the Syndicate.

24.1. The Syndicate shall make rules relating to the preparation of results including appointment of scrutineers and prescribing their duties.

24.2. For calculating pass marks fixed by the regulations for each examination, if a fraction is half or more it shall be rounded off to the next higher figure, *but* if it is less than one-half, it shall be ignored.

25.1. Before declaration, the results of an examination together with a statement of percentage of passes in the whole examination and in each subject for current and the four preceding years, shall be submitted to the Vice-Chancellor.

25.2. The Vice-Chancellor *may* order publication of the results, unless on scrutiny of the figures submitted, he considers that there has been a distinct change of standard in the examination *as a whole* or in a particular subject. In that case he may refer the matter to the examiners concerned for a report or may take *such* action as *he considers* necessary.

26.1. A candidate who appears in all subjects of an examination and who fails in one or more subjects (written, practical, sessional or *viva voce*) and/or the aggregate (if there is a separate requirement of passing in the aggregate) shall be given grace marks up to maxi-

imum of 1% of the total aggregate marks (excluding marks for internal assessment) to make up the deficiency, if by such addition the candidate can pass the examination. While awarding grace marks fraction working to $\frac{1}{2}$ or more will be rounded to a whole.

Exception :—In the case of M.B., B.S. and B.D.S. examinations, however, the grace marks shall be given up to one per cent of the total marks of each subject, and not up to one per cent of the aggregate of all the subjects. In other words, each subject will be, for this purpose, a separate unit, and a candidate who fails in a subject by not more than one per cent of the aggregate marks of that subject may be given the required number of marks in order to pass in that subject.

26.2. The award of grace marks shall not entitle a candidate to earn higher division or a particular merit except in the case of M.A., M.Com., M.B.A., M.Sc., M.Ed., M.A. (Physical Education) and M.Lib.Sc., in the case of a candidate who is given grace marks under regulation 25.1., corresponding marks shall be deducted from some other subject or subjects.

26.3. In the detailed marks certificate, the original marks and the grace marks given and the adjustments made will be indicated.

26.4. For M.A., M.Com., M.B.A., M.A. (Physical Education), M.Lib.Sc., grace marks up to 1% of the total marks of Part I and Part II examinations shall be added to the aggregate of both Part I and Part II examinations for the award of a higher class to a candidate, provided that no grace mark has already been given for passing the examination either in Part I or in Part II.

26.5. A candidate who re-appears in M.A., M.Com., M.A. Physical Education or M.Lib.Sc. examination for purposes of improving the division may be given grace marks upto 1% of the total marks as follows :—

- (i) A candidate who re-appears in one Part only.....1% of the marks in the Part in which he reappears.
- (ii) A candidate who re-appears in both the Parts.....1% of the marks of both the Parts taken together.

Provided that no candidate shall be given more marks than the minimum that may be required for securing the higher Division.

26.6. For M.Ed. and M.Sc. (excluding M.Sc. Honours School) examinations, grace marks up to 1% of the total marks shall be added to the total marks to award a higher class to a candidate provided that grace marks have not already been given for passing the examination.

(iv) Publication of Result

27.1. The Registrar shall publish the results of the various examinations in such manner as may be directed by the Syndicate.

27.2. Simultaneously with their publication, the results of the regular students shall be communicated to the heads of the institutions concerned indicating in each case the total marks and the division obtained.

27.3. Within a week of the publication of results, failure statements of the regular students, showing the subject or subjects in which they have failed shall be communicated to the Heads of the institutions concerned.

(v) Rectification of Results

28. The Syndicate shall have power to quash the result of a candidate after it has been declared, if—

- (i) he is disqualified for using unfair means in the examination; or

- (ii) a mistake is found in his result; or
- (iii) he is found ineligible to appear in the examination; or
- (iv) he is a person against whom action under Regulation 5.1 would have been taken, had the facts come to the notice of the University earlier.

29.1. A candidate shall be entitled to have his answer-books rechecked on payment of a fee of Rs. 15 per answer-book, subject to the following :

- (i) Application for rechecking is received by the University within 30 days of the date on which the result is declared by the University;
- (ii) Rechecking will be done only to see if the marks awarded to various answers have been correctly added and if all the answers have been assessed by the examiner.

29.2. If any mistake is discovered as a result of rechecking of answer-book, as provided for in 29.1. the Vice-Chancellor shall have power to rectify the result. In such a case the fee paid under Regulation 29.1. shall be refundable.

(vi) Additional Examinations

30. Notwithstanding any other regulation, the Syndicate, shall have power, in the case of all examinations held by this University, to hold an additional examination in the same year for special reasons to be recorded.

SCHOLARSHIPS

(Regulations under Section 31(n) of the Panjab University Act)

1. The Syndicate, subject to the approval of the Senate, shall determine, from time to time, the examinations for which University scholarship or scholarships have to be awarded, their number and value for each examination, and the conditions and period of their tenure.

Note.—List of scholarships is given in Vol. III of the Calendar.

2.1. If two or more candidates are bracketted for marks obtained and are entitled to award of Scholarships, each of them shall be offered the Scholarships.

2.2. If two or more candidates are bracketted for marks obtained and are placed last in the number of scholarships to be awarded each of them will be offered the scholarship and the total number of scholarships fixed for the examination concerned shall be increased accordingly.

3. No University scholarship shall be awarded unless—

- (i) on the result of the Pre-University, Pro-Engineering or Pre-Medical examination, the candidate is placed in the first division.
- (ii) in the case of other examinations the candidate gets at least 55% marks.

4. No student shall hold more than one scholarship except by special resolution of the Syndicate.

Provided that one of the following scholarships may be held in addition to a University scholarship :

- (i) Merit-cum-means scholarship;
- (ii) A scholarship reserved for Backward Classes/Scheduled Castes/Scheduled Tribes;
- (iii) Atomic Energy Scholarship;
- (iv) College Merit Scholarship or College Necessitous Scholarship.

5. If a student stands first in an examination, but is not awarded or does not accept a scholarship which he would ordinarily hold, such scholarship may be awarded to the next eligible candidate on the list, failing him to the third student in order of merit, with the approval of the Vice-Chancellor. It shall not be offered to the Fourth student on the list. Provided that in a subject in which there are two scholarships the award may go up to the sixth candidate in order of merit with the approval of the Vice-Chancellor.

Provided that this restriction shall not apply to the examinations in which merit scholarships have been offered by the Central/State Government or any other agency. In such cases, the above regulation shall apply to the candidates next on the merit list after the award of Central/State Government scholarships or other scholarships offered by any other agency.

6.1. Scholarships shall be tenable in any Faculty and in any college affiliated to this University or in an All-India Institution approved for the purpose by the Syndicate, provided the student joins the college or the All-India Institute, in the academic year in which he passed the examination.

NOTE:—List of institutions approved by the Syndicate is given in Vol. III of the Calendar.

Provided that the scholarship shall also be tenable on reciprocal basis, to students who join the colleges affiliated to the Panjabi, Agricultural Kurukshetra and Guru Nanak Universities.

6.2. A scholarship-holder who joins an institution not affiliated to the Panjab University but where his scholarship is tenable, shall draw the scholarship for one year in the case of a student joining an Engineering Institute and for 2 years in the case of a student joining a Medical Institute.

7. A student who has been awarded a scholarship shall be liable to pay tuition fee for the full period unless he has been granted full or half fee concession.

8. A scholar studying in the M.A. or M.Sc. Course must take up one of the subjects he had taken for the B.A. or B.Sc. degree, and in the case of the Honours Schools, the scholar must take up the principal subject of the Honours School.

9. University Scholarships shall be tenable as under on the condition that the holder passes all the University examinations up to the final stage :

(i) On the results of Pre-Medical or Pre-Engineering or B.A./B.Sc. Part I examinations :

(a) for three years if the holder joins B.Sc. (Honours School) Course,

(b) for two years if the holder joins B.A./B.Sc. in the second year class,

(ii) On the results of B.A. and B.Sc. examinations :—

(a) for 24 months in case the scholar joins—
(i) a two-year course leading to M.A./M.Sc.

(ii) B.Sc. III year (Honours School) and continues for M.Sc. Honours School; and

(b) for 12 months in case the scholar joins any one-year course.

(iii) On the result of B.Sc. (Honours School) examination, if recommended by the Board of examiners..... for 12 months if the holder joins M.Sc. (Honours School) Course.

10. Scholarships shall be awarded on the express understanding that the holder shall attend a college or a University Teaching Department as a regular student and pursue his studies with industry. Should it appear at any time that the scholar has failed to make satisfactory progress or has been guilty of gross misconduct or has been irregular in attendance, he shall, after due warning, be reported by the Principal of the College or Head of the University Department to the Syndicate who may diminish or withdraw the scholarship.

11. Each scholar shall be informed of his having been awarded a scholarship. If a scholar does not notify the University in writing of his acceptance of the scholarship within two weeks of the receipt of the Registrar's notice by registered post, he shall be liable to forfeit his scholarship which may be re-awarded.

CHAPTER IV (ii)

REGULATIONS RELATING TO THE AWARD OF TWO SCHOLARSHIPS OUT OF "PANJAB UNIVERSITY SOLDIERS' RELIEF FUND"

1. Two scholarships will be awarded every year to the sons and daughters of members of Defence Services studying at the Panjab, University Departments/Colleges. Preference will be given to the children of those who are disabled or have been killed in military operations.

2. Each scholarship shall be of the value of Rs. 45 per mensem.

3. The tenure of a scholarship shall be for the duration of the course to which a student is admitted, i.e., two or three years, as the case may be.

4. No student shall hold a scholarship awarded under these regulations along with another scholarship without the approval of the Vice-Chancellor.

5. A student who has been awarded a scholarship under these regulations shall be liable to pay the tuition fee to the department/college for the months for which the scholarship is claimed. This, however, shall not debar him from grant of full or half fee concession by the department/college.

6. Scholarship shall be awarded on the express understanding that the holder shall attend the department/college as a regular student and pursue his studies with industry. If it should appear at any time that the scholar fails to make satisfactory progress or has been guilty of gross misconduct or laziness or has been irregular in attendance, he shall, after due warning, be reported by the Head of the University Department/college to the Vice-Chancellor who may diminish or withdraw the scholarship.

7. A scholarship holder who fails in the University examination, shall not be eligible for this scholarship again.

8. These scholarships shall be awarded by the Vice-Chancellor on the recommendation of a committee to be appointed by him.

CHAPTER VI

ACADEMICAL COSTUME

1. In these regulations "ordinary" academical costume includes a black cap and gown without hood or sash, and "full" academical costume includes in addition a hood or sash and for doctors a scarlet instead of a black gown.

2.1. Full academical costume shall be worn by the Fellows and all graduates of the University, and may be

worn by all graduates of other Universities at Convocation and on such other ceremonial occasions as the Syndicate or Vice-Chancellor may appoint.

2.2. Ordinary academical costume shall be worn by the Fellows at meetings of the Senate if so indicated in notice calling the meeting.

2.3. If a Fellow is a graduate of any University he may wear either the costume of his degree, or the costume to which he is entitled as a Fellow.

3.1. Fellows and graduates of the University shall be entitled to wear academical costume as follows :—

CHANCELLOR

- (a) Gown—Black heavy silk with golden facing.
- (b) Sash—Black with golden border

- (c) Cap—With gold tassel.

VICE-CHANCELLOR

- (a) Gown—Black heavy silk with golden facing.
- (b) Sash—Black with golden border.
- (c) Cap—With gold tassel.

REGISTRAR

- (a) Gown—Black silk with silver facing.
- (b) Cap—With Silver tassel.

FELLOWS

- (a) Gown—Black
- (b) Cap—With black silk tassel.

DEPUTY AND ASSISTANT REGISTRARS (NON-GRADUATES)

Gown—Black

(i) Bachelor's Degrees

	Gown	Hood
1. B.O.L.	Black	Black with saffron lining.
2. B.A.	Black	Black with golden lining.
3. B.Sc. (Pass)	Black	Black with light blue lining.
4. B.Sc. (Hons. School)	Black	Black with red lining.
5. B.Sc. (Home Science)	Black	Black with magenta lining.
6. B.Sc. (Bio-Chemistry)	Black	Black with brown lining.
7. LL.B.	Black	Black with dark blue lining.
8. M.B.B.S.	Black	Black with light mauve.
9. B. Pharmacy	Black	Black with green lining.
10. B.D.S.	Black	Black with plum-coloured lining.
11. B.Sc. (Agri.)	Black	Black with orange lining.
12. B. Com.	Black	Black with claret lining.
13. B.Sc. (Engg.)	Black	Black with scarlet lining.
14. B.Sc. (Chem. Engg.)	Black	Black with deep yellow lining.
15. B.V.Sc.	Black	Black with pink lining.
16. B.T. and B. Ed.	Black	Black with maroon lining.
17. Bachelor of Textiles	Black	Black with light yellow lining.
18. B.Sc. (Dairying)	Black	Black with white lining.
19. B.Sc. Nursing	Black	Black with white lining.
20. Bachelor of Architecture	Black	Black with scarlet lining.
21. B.Sc. Honours School in Bio-Chemistry and Microbiology.	Black	Black with red lining.

(ii) Master's Degrees

1. M.O.L.	Black	White with saffron lining.
2. M.A.	Black	White with golden lining.
3. M.Sc. (Pass)	Black	White with light blue lining.
4. M.Sc. (Hons. School)	Black	White with red lining.
5. LL.M.	Black	White with dark blue lining.
6. M.S.	Black with with golden facing	White golden lined with light mauve.
7. M.D.S.	Black	White with deep mauve lining.
8. Master of Surgery (M. Ch.)	Black with golden facing	White with brown lining.
9. Master of Science in Pharmacology	Black	White with light green lining.
10. Master of Science in Home Science	Black	White with magenta lining.
11. M.Sc. (Agri.)	Black	White with orange lining.
12. M.Sc. (Anthropology)	Black	White with light blue lining.
13. M.Sc. (Bio-Chemistry)	Black	White with brown lining.
14. M.Sc. (Micro-biology).	Black	White with chocolate lining.
15. M.Sc. (Dairying)	Black	White with dark green lining.
16. M.Com.	Black	White with claret lining.

	Gown	Hood
17. Master of Pharmacy.	Black	White with green lining.
18. Master of Veterinary Science.	Black	White with pink lining.
19. Master of Education	Black	White with maroon lining.
20. Master of Science in Engineering	Black	White with scarlet lining.
21. Master of Science in Chemical Engineering.	Black	White with deep yellow lining.
22. M.Sc. Honours School in Geology.	Black	White with red lining.
Hood		
23. M.A. (Hons. School) in Economics.	Black	White with yellow lining.
24. Master of Business Administration	Black	White with light claret lining.

(iii) *Doctor's Degrees*

- | | |
|---------------------------------|--|
| (i) Doctor of Medicine (M.D.) | (a) Gown—Black with golden facing |
| | (b) Hood—White golden lined with light mauve. |
| (ii) Doctor of Medicine (D.M.) | (a) Gown—Black with golden facing. |
| | (b) Hood—White with chocolate lining. |
| (iii) Doctor of Philosophy | (a) Gown—Black with golden facing. |
| | (b) Hood—Red and silver grey. |
| (iv) Doctor of Laws | (a) Gown—Red with light blue facing. |
| | (b) Hood—Red and silver grey. |
| (v) Doctor of Oriental Learning | (a) Gown—Red with saffron facing. |
| | (b) Hood—Red and silver grey. |
| (vi) Doctor of Science. | (a) Gown—Maroon with white facing. |
| | (b) Hood—Red and silver grey. |
| (vii) Doctor of Literature | (a) Gown—Maroon with light buff or golden yellow facing. |
| | (b) Hood—Red and silver grey. |

3.2. Candidates for admission to a degree shall wear at the Convocation the costume *prescribed* for the degree to which they are going to be admitted.

4. The holders of Oriental Literary Titles shall be entitled to wear the following costume on ceremonial occasions :

Chandigarh-14

Dated : August 10, 1972.

Shastri, Munshi Fazal, Maulvi Fazal, Acharya and Adl Granth Acharya.—Saffron gown with white Pagri or Cap.

K. C. WALIA

Officer on Special Duty (R)

SEALED in my presence with the common seal of the Panjab University, this day the 10th of August, 1972.

JAGJIT SINGH

Registrar

